__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - VI
Subject- Hindi Language Page-1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - आमोद - 6
लोकोक्तियाँ (उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना से जहाँ जाए सूखा वहाँ पड़े सूखा)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ लोकोतियाँ कक्षा छठी की हिन्दी व्याकरण का है। आज हम इस पाठ में लोकोक्तियों के बारे में समझेंगे। यह पाठ आपको 5 दिसंबर, 2022 को भेजा जाएगा।

बच्चो! 'लोकोक्ति शब्द 'लोक + उक्ति' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है लोक में प्रचलित 'उक्ति या कथन'। सामान्य अर्थ में 'लोकोक्ति' को 'कहावत' कहा जाता है

बच्चो! लोकोक्ति का जन्म व्यक्ति द्वारा न होकर लोक द्वारा होता है। अत: लोकोक्ति के रचनाकार का पता नहीं होता।

इस प्रकार

- किसी विशेष स्थान पर प्रसिद्ध हो जाने वाले कथन को 'लोकोक्ति' कहते हैं।
- लोकोक्ति ऐसी उक्ति है जिसका कोई रचनाकार नहीं होता।

बच्चो! अब मैं आपको कुछ लोकोक्तियाँ करवाऊँगी, जिन्हें आप अपनी हिन्दी व्याकरण की उत्तर - पुस्तिका में लिखेंगे।

Date- Class- VI
Subject- Hindi Language Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

1. उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना (धीरे-धीरे साहस को बढ़ावा देना)
राम ने एक कमरा किराए पर लिया था, अब पूरे मकान पर कब्ज़ा करने लगा है। अरे! ये तो उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ने की कोशिश कर रहा है।

2. कंगाली में आटा गीला (कमी में और नुकसान होना)

राजू की नौकरी छूट गई ऊपर से उसकी गाड़ी भी चोरी हो गई। यह तो कंगाली में आटा गीला वाली बात हो गई।

3. गँवार की अक्ल चरदन में (मूर्ख को दंड मिले तभी होश रहता है)
लाख समझाने पर भी रोहन ने अपनी चोरी की आदत नहीं छोड़ी। पकड़े जाने पर पुलिस ने उसकी डटकर पिटाई की, तब से सुधर गया। सच है- गँवार की अक्ल चरदन में होती है।

4. घर की मुरगी दाल बराबर (सरलतापूर्वक प्राप्त वस्तु का मूल्य नहीं होता)
कुछ लोगों को घर का खाना अच्छा नहीं लगता। वे होटल में पैसे देकर खाना पसंद करते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है - घर की मुरगी दाल बराबर।

5. चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए (घोर कंजूस होना)
मोहन इतनी ठंड में भी गरम कपड़े नहीं खरीद

_/_/_

Date- Class-VI

Subject - Hindi Language Page-3

Subject Teacher- Ms. Roma Rani

रहा। वह बीमार हो जाएगा पर पैसे नहीं खर्चेगा। ठीक ही तो कहा गया है - चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए।

(6) चोर के पैर नहीं होते (अपराधी में अधिक साहस नहीं होता)

बिना टिकट यात्रा करने वाले को टिकट देखने वाला पहचान ही लेता है। वह स्वयं ही घबराने लगता है और उसके चेहरे का रंग उड़ जाता है क्योंकि चोर के पैर नहीं होते।

(7) छोटा मुँह बड़ी बात (योग्यता से अधिक बताना)

चपरासी होकर ऐसे बोल रहे हो मानों तुम्हीं अफ़सर हो। तुम्हें छोटा मुँह बड़ी बात कहते शोभा नहीं देता।

(8) जाए जहाँ सूखा वहाँ पड़े सूखा (दुखी कहीं भी आराम नहीं पा सकता)

गरीबी से तंग आकर मनी भाई के घर गया। वहाँ पहुँच कर पता चला कि वहाँ चार दिन पहले ही चोरी हो चुकी है। सच है - जहाँ जाए सूखा वहाँ पड़े सूखा।

गृहकार्य :- ⩶ बच्चो! आप इन लोकोक्तियों को अपनी हिन्दी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद करेंगे।

Last Date